# Constructivist Approaches

# रचनावादी उपागम

*pedagogy of mathematics*

*B.Ed. Sem II, Paper VIIA, Unit II*

By Dr. Sweta Bagade

Asst. Prof. (B.Ed)

GSCW Jamshedpur

## रचनावाद की प्रमुख मान्यताएं:

## Major assumptions of constructivism:

रचानावाद कि शिक्षण अधिगम से संबंधित निम्नलिखत मान्यताये है :-

- अधिगमकर्ता ज्ञान की रचना में अपने संवेदी अंगों को इनपुट की तरह उपयोग करता है।
- अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया है।
- अधिगमकर्ता जितना अधिक जानता है उतना अधिक सीखता है।
- अधिगम की प्रक्रिया समयबद्ध होती है।
- अधिगम प्रक्रिया में अधिगमकर्ता सूचनाओं को ग्रहण करता है उन पर विचार करता है, उनका उपयोग करता है व अभ्यास करता है।
- अधिगम में प्रेरणा एक आवश्यक तत्व है जिससे अधिगमकर्ता की संवेदी संरचनाएं सक्रिय रहती हैं।
- अधिगमकर्ता दूसरे अधिगमकर्ताओं व शिक्षक दोनों से सीखता है।

## रचनावाद की विशेषताएं:
## Characteristics of constructivism:

- रचनावाद के फलस्वरूप कई सारी शिक्षण विधियों यथा सहयोगात्मक अधिगम, परियोजना विधि, खोज विधी, सहपाठी शिक्षण आदि का विकास हुआ है जो रचनावाद के सिद्धान्तों के अनुरूप हैं।
- विद्यार्थियों को अपने अधिगम के लिए उत्तरदायित्व देना।
- विद्यार्थियों को अधिगम की तैयारी से अधिगम के मूल्यांकन तक सक्रिय रूप से सम्मिलित रखना।
- विद्यार्थियों को सामूहिक गतिविधियों क लिए अभिप्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना व उसकी तृप्ति हेतु प्रयास कराना।

## रचनावाद की सीमायें
## Limitation of Constructivism

- रचनावाद प्रत्येक अधिगमकर्ता को विशिष्ट मानता है जिसके अनुरूप उसके अधिगम अनुभवों का नियोजन होना चाहिए, परन्तु एक कक्षा में एक समय में एक से अधिक छात्र होते हैं जिनके अनुसार अधिगम अनुभवों का नियोजन वास्तविक में संभव प्रतीत नहीं होता।
- पाठ्यक्रम के विस्तार और विविधता के चलते इस परिप्रेक्ष्य के अनुसार पाठ्यक्रम समय से पूर्ण करना भी एक चुनौती है क्योंकि इस परिप्रेक्ष्य में अधिगम में समय ज्यादा लगता है।

## रचनावाद शिक्षक की विशेषताये

## Characteristics of constructivist teacher

- एक संरचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों की स्चच्छदता एवं आरंभ करने की प्रवृत्ति को स्वीकार एवं प्रोत्साहित करता है।
- एक रचनावादी शिक्षक पाथमिक स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं, अंत: क्रियात्मक शिक्षण सामग्रियों का प्रयोग करता है।
- रचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों की अनुक्रिया के आधार पर अध्यापन, अनुदेशनात्मक युक्तियों के परिवर्तन अपने पाठ्य सामग्री में परिवर्तन करता है।
- रचनावादी शिक्षक अपनी जानकारी विद्यार्थियों से साझा करने से पहले विभिन्न संकल्पनाओं पर विद्यार्थीं की समझ को जानने का प्रयास करता है।
- रचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षक एवं अन्य साथियों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है।

- रचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों की जिज्ञासा को विचारोत्तेजक, मुक्त, प्रश्नों के माध्यम से एवं एक दूसरे से प्रश्न पूछने के माध्यम से प्रोत्साहित करता है।
- रचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों के आरंभिक अनुक्रियाओं को आगे ले जाता है।
- रचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों को उन अनुभवों के लिए प्रेरित करता है जो उनकी आरंभिक परिकल्पना के विपरीत हो सकते हैं और तब परिचर्चा को प्रोत्साहन देना है।
- रचनावादी शिक्षक विद्यार्थियों को (प्रश्न पूछने के बाद) उत्तर देने के लिए पर्याप्त समय देता हैं।
- रचनावादी शिक्षक संबंध निर्माण एवं मेटाफोर निर्माण के लिए समय देता है।
- रचनावादी शिक्षक अधिगम चक्र प्रतिमान का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों की प्राकृतिक जिज्ञासा को संपोषित करता है।